शुक्रवार

07 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 41
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

धामी कैबिनेट में बड़े बदलाव की तैयारी

❑कई मंत्रियों का हो सकता है पत्ता साफ
❑चार पद लंबे समय से पड़े हैं खाली
❑होली के बाद हो सकता है फेर बदल
❑कई नए चेहरों को मौका मिलना संभव

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूं तो उत्तराखंड कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं लंबे समय से जारी हैं लेकिन अब मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं कैबिनेट में बड़े फेर बदल की चर्चाएं बन चुकी है। कई मंत्रियों को भी बदले जाने की तथा हटाये जाने की खबरों ने मंत्रियों व विधायकों में हड़कंप की स्थिति पैदा कर दी है।

कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दून से जाते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी दिल्ली रवाना हो गए। उनके दिल्ली जाने के बाद कैबिनेट में बड़े बदलाव की संभावनाओं पर चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। धामी का तुरंत ही दिल्ली जाना और प्रेमचंद अग्रवाल जिनके द्वारा विधानसभा में दिए गए आपत्तिजनक बयान के बाद उन्हें पीएम मोदी के दौरे से दूर रखें जाने के कारण यह चर्चाएं तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि प्रेमचंद अग्रवाल के उस बयान को लेकर अभी तक विरोध प्रदर्शनों का क्रम जारी है तथा उन्हें मंत्री पद से हटाए जाने की मांग की जा रही है।

उत्तराखंड कैबिनेट में तीन मंत्रियों के पद नई सरकार के गठन के समय से ही खाली पड़े हैं जबकि एक पद परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद खाली हुआ था। इन चार खाली पड़े मंत्रियों के पदों को भरने की मांग भी लंबे समय से हो रही है लेकिन प्रेमचंद अग्रवाल के बयान पर हुए बवाल के बाद उन्हें भी हटाने की चर्चाएं शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार तीन से चार मंत्रियों को भी कैबिनेट से हटाया जा सकता है ऐसी स्थिति में सरकार 6-7 मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल करने की स्थिति में होगी। कई मंत्री अपने आप को हटाए जाने की संभावनाओं के मद्देनजर दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं।

किसे-किसे मंत्री पद से हटाया जाएगा और किसे-किसे नए मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी यह तो होली के बाद ही साफ हो सकेगा लेकिन माना जा रहा है कि धामी के नए मंत्रिमंडल में आधे चेहरे नये दिखाई देंगे। उधर मंत्री अपना पद बचाने और विधायक मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने के लिए अपनी-अपनी बिसात बिछाने में जुट गए हैं। चर्चा है कि इस फेरबदल में दो नए और युवा चेहरों को गढ़वाल मंडल व दो को कुमाऊँ मंडल से मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। इस फेरबदल की चर्चा में स्पीकर से लेकर प्रेमचंद अग्रवाल के नाम भी चर्चाओं के केंद्र में है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बारह मासा पर्यटन

बीते कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड दौरे पर आए तो थे शीतकालीन चारधाम यात्रा के प्रमोशन के लिए, लेकिन हर्षिल में जनसभा को संबोधित करने के लिए मंच पर पहुंचते-पहुंचते उन्होंने शीतकालीन यात्रा के कांसेप्ट को बारहमासी पर्यटन में तब्दील कर दिया। मोदी के 30-35 मिनट के इस भाषण में उनका पूरा फोकस सर्वकालिक पर्यटन पर ही बना रहा। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत में यह बता दिया कि जब तक हर सीजन को पर्यटन सीजन के रूप में अस्तित्व में नहीं लाया जाएगा तब तक प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ नहीं बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा इस साल शीतकालीन चारधाम यात्रा को शुरू किया गया है तथा उनका दृष्टिकोण धार्मिक पर्यटन तक ही सीमित था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के जरिए जो विस्तारीकरण देने का सुझाव दिया गया है तथा इसे धार्मिक पर्यटन की परिधि से आगे ले जाने की बात कहते हुए इसमें डेस्टिनेशन वेडिंग, फिल्म, साहसिक खेल और गतिविधियों, वैलनेस सेंटर बनाने तथा वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन डेवलप करने, उद्यमियों को पहाड़ों की वादियो में सेमिनार आयोजित करने की राय दी गई है, वह यह बताने के लिए काफी है कि आप सिर्फ धार्मिक टूरिज्म पर निर्भर रहकर पर्यटन को बारहमासा नहीं बना सकते हैं। आपको इसमें अन्य तमाम उपरोक्त विषयों या क्षेत्रों को भी जोड़ना पड़ेगा तभी आप पूरे साल हर एक सीजन में पर्यटकों को आकर्षित करने में सफल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जिन मुद्दों को छुआ उसमें बेहतर होमस्टे की योजना तथा होटल व्यवस्थाएं भी शामिल थी। यह बड़ी साफ बात है कि जब तक आप पर्यटकों को बेहतर सेवाएं और सुविधा नहीं दे सकते तब तक आप पर्यटन को बढ़ा नहीं सकते हैं। विडम्बना यह है कि राज्य गठन के 25 साल बाद भी सूबे की सरकारें यह तय नहीं कर सकी है कि वह इस राज्य को किस रूप में विकसित करना चाहती हैं। कभी इसे ऊर्जा प्रदेश तो कभी धार्मिक पर्यटन का केंद्र तो कभी आयुष प्रदेश तो कभी योग और अध्यात्म का केंद्र बनाने की कोशिश की जाती है, नतीजतन उत्तराखंड अभी तक किसी एक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान नहीं बना सका है। केंद्र सरकार को जो करना चाहिए था उसने उससे कई गुना अधिक राज्य के विकास के लिए किया है किंतु राज्य सरकारों की सहभागिता अत्यंत ही कम रही है। वर्तमान समय में राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में हम जो भी प्रगति देख रहे हैं वह सब कुछ केंद्र सरकार की देन है। बात चाहे सड़कों की हो या रेलवे के विकास की या एयर कनेक्टिविटी की अथवा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की हो या फिर धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण कार्यों की। सब कुछ केंद्र सरकार का ही किया हुआ है। राज्य सरकार की आज भी केंद्र सरकार पर जिस तरह की निर्भरता बनी रहती है वह किसी से छुपा नहीं है। उत्तराखंड को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनना है तो उसे अपने विकास का लक्ष्य निर्धारित करना ही होगा। सर्वकालिक पर्यटन की अवधारणा पर अगर ईमानदारी से काम किया जाए तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि उत्तराखंड बहुत जल्द विकसित राज्य बन सकता है। क्योंकि अब राज्य में इसकी ढांचागत तैयारी काफी हद तक पूरी की जा चुकी हैं।

100 नगर निकाय में कांग्रेस जनजागरण अभियान चलाएगी: थापर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसी नेता अभिनव थापर ने कहा कि कांग्रेस 100 नगर निकाय में जनजागरण अभियान चलाएगी।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस मताधिकार संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी न तो चुनाव आयोग पर, न चुनाव प्रक्रिया पर और न ही मतदाता के विवेक पर कोई सवाल उठा रही है, बल्कि हम लोग चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और जनवरी 2025 में सम्पन्न हुए चुनाव में, जिन लोगों के वोट काटे गये हैं, उनके वोट काटने की प्रक्रिया या उसके पीछे के कारण को जानने का प्रयास कर रहे है। जनवरी 2025 में सम्पन्न हुए, स्थनीय निकाय चुनाव में, राज्य के अनेक हिस्सों, संभवत: लगभग सभी से, शिकायत मिली थी कि अमुक व्यक्ति जिसने कि लोकसभा चुनाव में वोट दिया था, उसका नाम स्थानीय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में नहीं है. भारत के संविधान का अनुच्छेद 326, स्पष्ट करता है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे। अत: प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जिसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है, उसे चुनाव में मतदान करने का अधिकार प्राप्त है। उत्तराखण्ड मताधिकार संरक्षण समिति का वोटरों की शिकायत हेतु ईमेल व व्हाट्सएप् नम्बर युक्त पोस्टर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा व समिति के सदस्यों द्वारा जारी किया गया।

अभिनव थापर ने कहा कि उत्तराखण्ड के सभी 100 नगर निकाय में जनपदवार हमारी टीम भ्रमण कर पीड़ित वोटरों से सम्पर्क सथापित करेगी व जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटियों के स्तर पर इस अभियान को चलाकर सरकार की मिलीभगत की पोल खोली जायेगी। इस अवसर पर समिति सदस्य अभिनव थापर, पंकज क्षेत्री एवं महामंत्री नवीन जोशी, अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिह आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल का पहाड़ियों पर अभद्र भाषा का प्रयोग निन्दनीय: ऐरी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल में पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि विधानसभा में प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा पहाड़ियों को अभद्र भाषा का जो प्रयोग किया गया उसकी हम कठोर शब्दों में निंदा करते हैं।

आज यहां उत्तराखण्ड क्रांति दल में पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक काशी सिंह ऐरी एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते विधानसभा में प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा पहाड़ियों को अभद्र भाषा का जो प्रयोग किया गया उसकी हम कठोर शब्दों में निंदा करते हैं तथा सरकार से स्पष्ट कहना चाह रहे हैं कि तत्काल प्रेमचंद अग्रवाल को पद से बर्खास्त किया जाए अन्यथा यह एक बड़े आंदोलन की चेतावनी समझी जाएगी। उत्तराखंड का जनमानस इससे बहुत आहत है तथा इस वजह से आपसी सौहार्द में कमी आई है। आगे उन्होंने कहा कि टेक्निकल यूनिवर्सिटी में जो भी भ्रष्टाचार हो रहे हैं उनके संज्ञान लेकर उन पर कड़ी कार्यवाही करें तथा आगे उन्होंने कहा की कैंपस में जिस प्रकार का भ्रष्टाचार हाल ही में सामने आया है की वन विभाग के बजट से अधिकारियों द्वारा अपने लिए आईफोन, लैपटॉप, फ्रिज, कूलर, टीवी आदि व्यक्तिगत सामान की खरीद की गई। इस पर तत्काल कमेटी का गठन करते हुए जांच करवाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। देवभूमि उत्तराखंड भ्रष्टाचार तथा माफियाओं की भूमि बनकर रह गया है उत्तराखंड क्रांति दल स्पष्ट चेतावनी दे रहा है कि यदि भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगाई गई तो 1994 की तर्ज पर दूसरे आंदोलन के लिए सरकार तैयार रहे। प्रेस वार्ता में संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती, पंकज व्यास, राजेश्वरी रावत, बहादुर सिंह रावत, विजय बौड़ाई, अनूप पवार, देवचंद उत्तराखंडी, पुष्कर सिंह गोसाई, मनोज कंडवाल, मनोज मिश्रा एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को ट्रंप ने भेजा खास संदेश

वाशिंगटन । नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जल्द ही पृथ्वी पर वापस आने वाले हैं। इस बात की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर करीब 9 महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में हैं। ओवल ऑफिस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हम आपसे प्यार करते हैं और हम आपको लेने आ रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जब दोनों अंतरिक्ष यात्री वापस आएंगे तो वह उनका स्वागत करने के लिए तैयार रहेंगे। ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन पर भी कटाक्ष किया, ष्आपको

इतने लंबे समय तक वहां नहीं रहना चाहिए था। हमारे इतिहास के सबसे अक्षम राष्ट्रपति ने आपके साथ ऐसा होने दिया, लेकिन वो ऐसा नहीं होने देंगे। इससे पहले स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को अंतरिक्ष में बचाव यान भेजने से इनकार करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था और आरोप लगाया था कि बाइडेन के कारण मिशन में अनावश्यक देरी हुई। अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि एलन मस्क जो कहते हैं, वह तथ्यों पर आधारित होता है। मैं उन पर विश्वास करता हूं। डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी संकेत दिया कि एलन मस्क की स्पेसएक्स सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस घर लाने के मिशन में शामिल होगी। ट्रंप ने कहा, श्मैंने एक हफ्ते पहले एलन को ये जिम्मेदारी दी थी। मैंने कहा कि आप जानते हैं, हमारे पास दो लोग हैं जिन्हें बाइडेन और कमला हैरिस ने वहां छोड़ दिया है। वह इसे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। मैंने पूछा कि क्या आप उन्हें लाने के लिए तैयार हैं? तो उन्होंने हां बोला।

'सोशल मीडिया का मकड़जाल' विषय पर बौद्धिक सत्र आयोजित

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,रुद्रपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पत्थरचट्टा, रुद्रपुर में संचालित हो रहा है।

आज शिविर के छठवें दिन शिविरार्थियों के दिन की शुरुआत रोज की तरह लक्ष्य गीत,संकल्प गीत और राष्ट्रगान के पश्चात योग क्रियाओं के साथ हुई। इसके पश्चात श्रमदान सत्र में विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में उगी झाड़ियों की कटाई की तथा क्यारियों का निर्माण किया। इसके पश्चात अपराह्न में 'सोशल मीडिया का मकड़जाल' विषय पर बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ। इस बौद्धिक सत्र का विषय प्रवर्तन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अलंकृता सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया ने लोगों को दुनिया भर में जुड़ने और संवाद करने का एक आसान और तेज तरीका प्रदान किया है। लेकिन सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि तनाव, चिंता, और अवसाद।इस बौद्धिक सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ.शिवांगी चान्याल ने बोलते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को अपने सामाजिक सरोकारों को समझने में सहायता मिलती है।

बौद्धिक सत्र की अगली वक्ता डॉ. शिल्पी अग्रवाल ने विषय पर बोलते हुए कहा कि सोशल मीडिया ने लोगों को शिक्षित करने और जागरूक करने का एक शक्तिशाली माध्यम प्रदान किया है, खासकर सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी और अफवाहें फैलने का खतरा होता है, जो लोगों को गुमराह कर सकती हैं और समाज में अशांति पैदा कर सकती हैं। इसलिए युवाओं को चाहिए कि सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं का इस्तेमाल समझ बूझ कर करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। सत्र का संचालन बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा अनामिका सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापक प्रो शलभ गुप्ता, डॉ दीपमाला , डॉ विकार हसन खान एवं कर्मचारी नीलम जोशी, पूजा आर्या और शिविर के स्वयंसेवी मौजूद रहे।

रचनात्मक काम में लगायें ऊर्जा

रेनू सैनी

अक्सर लोग बहस में उलझ कर अपनी ऊर्जा व शक्ति को क्षीण करते हैं। कुछ बोले बिना अपने कामों से दूसरों को प्रभावित करना बहुत ज्यादा असरदार होता है। इसलिए बहस करने के बजाय काम करके दिखा दें। बहस से व्यक्ति का मन-मस्तिष्क प्रभावित होता है और उसके मन में रचनात्मक विचार नहीं पनप पाते, इसके विपरीत वे लोग जो लगातार शांत रहकर काम करते हैं, न सिर्फ अपनी प्रतिभा को निखारते हैं, बल्कि व्यर्थ के पचड़ों से भी बचे रहते हैं। बहस सिरदर्द और तनाव का कारण बनती है। व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और व्यर्थ की बहस में पड़े बिना अपना काम शानदार तरीके से कर के दिखा देना चाहिए। सर क्रिस्टोफर रेन इंग्लैंड के सबसे प्रसिद्ध वास्तुविद थे। उन्होंने कभी अपने ग्राहकों से बहस नहीं की या चुभने वाले शब्द नहीं कहे। उन्होंने अपनी बात को अपनी कुशलता और बुद्धिमता से साबित किया। 1688 में रेन ने वेस्टमिंस्टर शहर के लिए एक शानदार टाउन हॉल डिजाइन किया, मेयर को उससे संतुष्टि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि दूसरी मंजिल सुरक्षित नहीं है और यह पहली मंजिल पर बने उनके ऑफिस पर कभी भी गिर सकती है। रेन बोले, 'सर नहीं गिरेगी। मैंने बड़ी बारीकी से देख-समझ कर बिल्डिंग को डिजाइन किया है।' लेकिन मेयर नहीं माने और बोले, 'आप अतिरिक्त सहारे के लिए पत्थर के दो खंभे लगा दीजिए। इससे मुझे सुरक्षा का आभास रहेगा।' रेन बेहद कुशल इंजीनियर थे, वह जानते थे कि खंभे लगाने का कोई मतलब नहीं है और मेयर का डर बिना किसी आधार के है। लेकिन बहस से बचने के लिए उन्होंने खंभे लगा दिए। मेयर खंभे लगने के बाद खुश हो गए और निश्चिंतता से अपना काम करने लगे। उस बिल्डिंग की मजबूती सबके आकर्षण का केन्द्र थी। कुछ साल बाद जब मजदूर साफ-सफाई करने के लिए ऊंची नसेनी पर चढ़े, तब जाकर पता चला कि खंभे छत को सहारा नहीं दे रहे थे, बल्कि उससे थोड़ी दूरी पर ही खत्म हो गए थे। दरअसल, रेन ने बहस में पड़ने के बजाय मेयर की बात को मानना उचित समझा। मेयर को तसल्ली हो गई और रेन इस बात पर खुश हुए कि भावी पीढ़ियां समझ लेंगी कि उनका मूल डिजाइन बिल्कुल सही था और दो अनावश्यक खंभों की कोई जरूरत नहीं थी। बहस के बजाय कार्य से शाब्दिक और भौतिक दोनों रूपों में अपनी बात मनवाना ज्यादा कारगर होता है। बहस करने वाले ऊपर-नीचे होते रहते हैं और कहीं भी नहीं पहुंच पाते हैं। जबकि प्रतिकूल तथा विरोधी परिस्थितियों में भी स्वच्छ, निर्मल व संतुलित जीवन के साथ काम में लगे रहने वाले लोग सफलता के नए इतिहास बनाते हैं। बेंजामिन डिजराइली का कहना था कि समाज में किसी भी चीज़ पर बहस नहीं करनी चाहिए। सिर्फ परिणाम देने पर अपना ध्यान केंद्रित करें। बहस करने के आवेश में व्यक्ति अपनी बात के समर्थन में बेसिर-पैर की अनेक बातें कह डालता है। इसके विपरीत कार्य इससे कहीं अधिक शक्तिशाली और अर्थपूर्ण होते हैं। कार्य व्यक्ति अपने दिलो-दिमाग से और हाथों की सहायता से करते हैं। कार्य करते हुए व्यक्ति नज़र आता है जबकि बहस का कोई ठोस सबूत नहीं होता। बहस में चुभने वाले शब्द होते हैं जबकि कार्य में ऐसा कुछ नहीं होता इसलिए गलत परिणाम की संभावना भी कम होती है। बहस करके यदि व्यक्ति जीत भी जाए तो वह यकीन से यह नहीं कह सकता कि उसकी बहस का सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ा? अच्छे से अच्छे तर्क की भी कई बार ठोस नींव नहीं होती जबकि दूसरों के सामने किए जाने वाले काम की न सिर्फ ठोस नींव होती है अपितु वह लोगों को उनकी मंजिल तक भी पहुंचाने का काम करती है।

सच-सी लगने लगी आभासी दुनिया

शशि पुरवार

फेसबुकी दुनिया के तिलिस्मी रिश्ते! जी हां यह प्यार भरी प्यारी दुनिया नैनों का तारा बन चुकी है। इसके पहले हम बात कर रहे थे दर्शन से प्रदर्शन तक। इस बहती गंगा में हर कोई मौज ले रहा है। कौन कितने मजे कर रहा है, यह अपने आप में स्वतंत्र शोध का विषय है। फेसबुकी रचनाकारों की फेसबुकी किताबें छप रही हैं। जीवन की किताब अब डिजिटल किताब बन चुकी है। अब थूक लगाकर पन्ने नहीं पलटने पड़ते, माउस से काम हो जाता है। वर्षों पुराने रिश्ते जी उठे हैं। आदमी आदमी का हो गया है। फेंटेसी सच्चाई बन गयी है। पहले परिवार का दायरा सीमित था, अब अपरिमित है। फेसबुक पर ही जन्मदिन मन रहा है और वहीं श्रद्धांजलि भी दी जा रही है। परिवार का कौन सदस्य क्या कर रहा है, उसकी रुचि-कुरुचि क्या है, इसकी जानकारी भी अब फेसबुक से मिलती है। कौन कहां जा रहा है, कौन किसके साथ पार्टी मना रहा है, कौन घर आ रहा है, यह फेसबुक पर जासूसी हो रही है। मगर अब कौन डरता है, जो जहां मरता है वह कहीं और भी मरता है-ये वाला जमाना आ गया है। कोई बहती गंगा में हाथ धो रहा है, कोई आंखों के समंदर में डूब रहा है। अजी आजकल कार्टून कौन देखता है, लोग स्वयं इसका हिस्सा बने हुए हैं, इस चैनल की जगह फेसबुकी दुनिया ने ले ली है। कभी-कभी मन में विचार आते हैं कि यदि यह फेसबुक किसी दिन नहीं रहेगा तो क्या होगा सारे लोग पगला जायेंगे। कहां करेंगे लोग टाइम पास। कहां लिखेगी भड़ास बहू, जब दुखी होगी सास! कहां लेंगे कवि लोग चांस! फेसबुक नहीं होगा तो सेल्फ़ी कहां लगाएंगे यह सेल्फ़ी का युग है। हर आदमी सेल्फ़ी है। कई लोग सेल्फ़ी खींचने के लिए ही कहीं आते-जाते हैं। यह दुनिया अब शराब की ऐसी बोतल के समान है जिसका नशा उतरने का नाम ही नहीं लेता, और यह शराब नसों में घुलकर उन्माद की परिकाष्ठा तक पहुंचा रही है। हाय जब यह न होगा तो मजा कैसे आएगा। किसे तस्वीरें दिखाएंगे क्या लाइक करेंगे कहां कमेंट्स करेंगे। यह लाइकबाजी और कमेंट्सबाजी का दौर है। यहां हर रिश्ता जायज है, रिश्ते को नाम न दो। लोग खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। भावनाओं की चांदी है और कामनाओं की भी। प्रीत के तार ऐसे जुड़े हैं कि टूटने का नाम ही नहीं लेते। नैन मटक्का अब चैन मटक्का बनता जा रहा है, कुछ नए रिश्ते गुदगुदा रहे हैं, कुछ प्रीत की डोर से बंधने के लिए तैयार बैठे हैं। कुछ रिश्ते सेलिब्रिटी बनकर अपने जलवे दिखा रहे हैं।

छिलके समेत खाएं ये फल और सब्जियां

क्या आप जानते हैं कि हमारी सेहत के लिए जितनी पौष्टिक फल और सब्जियां जरूरी हैं, उतने ही इनके छिलके भी। जिन छिलकों को आप कचरा समझ कर फेंक देते हैं, वही छिलके ढेर सारे गुणों से भरे हुए होते हैं। अगर आप अगली बार सेब खाते हैं या फिर खीरा, तो उसके छिलके को भूल कर भी ना हटाएं। हां, आप ठीक तरह से धो सकते हैं, जिससे उनमें लगी धूल-मिट्टी आराम से निकल जाए।

सेब - सेब के छिलके में घुलनशील फाइबर पाए जाते हैं, जो शरीर में पाए जाने वाले खराब कॉलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं।

बैंगन

बैंगन में ऐंटिऑक्सिडेंट होता है जो दिमाग की कोशिकाओं को मजबूत बनाता है। अगर आप इसे ज्यादा मात्रा में खाएंगे तो आपका वजन भी कम होगा।

खीरा

खीरे को छिलके के साथ खाने से कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटमिन ए और विटमिन के प्राप्त होता है।

आलू

आलू के छिलके में आलू से कहीं ज्यादा आयरन, फाइबर और फोलेट पाया जाता है। इसके साथ ही इसमें 5 से 10 गुना ज्यादा ऐंटिऑक्सिडेंट भी होता है।

अंगूर

ये बात सच है कि अंगूर में भारी मात्रा में कीटनाशक पाए जाते हैं। लेनिक फिर भी आपको उसके छिलके को नहीं छीलना चाहिए। इसके छिलके में रेसवेराटरोल पाया जाता है जो हृदय के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने के लिए इन तरीकों से इस्तेमाल करें बेकिंग सोडा

अंडरआर्म्स पर कालापन हो तो स्लीव लेस कपड़े पहनने की आजादी खत्म हो जाती है। हालांकि, अगर आप चाहें तो बेकिंग सोडा की मदद से अपनी अंडरआर्म्स के कालेपन को जल्दी दूर कर सकती हैं क्योंकि यह एक क्षारीय पदार्थ है, जो त्वचा के पीएच स्तर को प्रभावित किए बिना एक्सफोलिएट के रूप में कार्य करके त्वचा की रंगत को सुधार सकता है। आइए आज अंडरआर्म्स पर इसका इस्तेमाल करने के तरीके जानते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी के घोल का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा और पानी के घोल के इस्तेमाल से अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने में काफी मदद मिलती है। इसके लिए एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा के साथ एक बड़ी चम्मच सादा पानी मिलाएं, फिर इस पेस्ट को एक मुलायम ब्रश से अपनी दोनों अंडरआर्म्स पर लगाकर 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से अंडरआर्म्स को साफकरें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में दो से तीन बार दोहराना फायदेमंद हो सकता है।

बेकिंग सोडा, बेसन और दही का मिश्रण बनाएं

यह मिश्रण भी आपकी अंडरआर्म्स को साफऔर चमकदार बना सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा, एक छोटी चम्मच बेसन और एक बड़ी चम्मच दही को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी दोनों अंडरआर्म्स पर लगाते हुए हल्के हाथों से मलें, फिर 15 मिनट के बाद अंडरआर्म्स को गुनगुने पानी से साफकर लें। हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

बेकिंग सोडा और एवोकाडो का मिश्रण भी है कारगर

अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने में बेकिंग सोडा और एवोकाडो का मिश्रण भी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा, एक बड़ी चम्मच एवोकाडो का गूदा और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपनी अंडरआर्म्स पर लगाने के 20 मिनट बाद इन्हें गुनगुने पानी से साफकर लें। हफ्ते में दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

आप चाहें तो अपनी अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने के लिए बेकिंग सोडा और नारियल के तेल का मिश्रण भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा और उतना ही नारियल का तेल लें, जिससे गाढ़ा पेस्ट बन जाए। अब इस मिश्रण को अंडरआर्म्स पर लगाकर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से मलें और जब यह सूख जाए तो अंडरआर्म्स को गुनगुने पानी से साफकर लें।

टैटू का है शौक, तो इस बात का रखें ध्यान...!

टैटू बनवाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। पुराने समय में अक्सर पत्नियां अपने पति के नाम का टैटू बनवाती थी। उस समय में इसे गोदना नाम दिया गया था। ज्यादातर महिलाएं इसे अपने हाथ, पैर, चेहरे, बाजू ऐसी जगह पर बनवाते थे। लेकिन समय के साथ इसमे काफी परिर्वतन आ चुके हैं इसके नाम के साथ अब इस ट्रेंड भी बदल चुका है। मगर अब आजकल के युवाओं में टैटू बनवाने का क्रेज काफी बढ़ गया है। युवा नाम लिखाने के साथ-साथ अलग-अलग तरह की डिजाइन अपने शरीर पर बनवाते हैं। लेकिन इसके कई खतरे भी हैं। इसलिए जरूरी है कि आप टैटू बनवाते समय सुरक्षा, सफाई और स्वास्थ्य को लेकर सावधानी जरूरी रखें।

रोज क्रीम लगाएं

टैटू बनवाने से पहले लोगों को हेपेटाइटिस बी का टीका लगवा लेना चाहिए। इसके अलावा आपको किसी स्पेशलिस्ट से ही टैटू बनवाना चाहिए जो इस काम में माहिर हो। स्पेशलिस्ट उपकरण और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। जिस जगह पर टैटू बनवाएं वहां पर रोजाना एंटीबायोटिक क्रीम जरूर लगाते रहें।

अच्छे आर्टिस्ट से बनवाएं टैटू

आजकल छोटे और लो कॉस्ट आर्टिस्ट चाइनीज इंक का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए हमेशा अच्छे आर्टिस्ट से टैटू बनवाना चाहिए।

चेंज करने का रखें ऑप्शन

एक्पर्ट की मानें तो जो फैशन, स्टाइल के लिए टैटू बनवाने का शौक रखते हैं, उन्हें अस्थायी टैटू ही बनवाना चाहिए। ये आपकी त्वचा को नुकसान भी नहीं पहुंचाते हैं और इसे आप अपने मूड के मुताबिक बदल भी सकते हैं।

संक्रमण फैलने का खतरा

एक्सपर्ट की मानें तो टैटू से कई तरह के संक्रमण का खतरा होता है। इससे हेपेटाइटिस, एचआईवी, ग्रैनूलोमस और केल्यॉड जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। एचआईवी और हेपेटाइटीस ए,बी,सी खून के संक्रमण से होने वाली बीमारियां हैं जो टैटू की एक ही सुई के कई लोगों पर बार बार इस्तेमाल होने से हो सकते हैं।

तीन दिग्गज़ निर्देशकों के साथ काम करना चाहती है मधुरिमा तुली

पिछले कुछ वर्षों में मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए बहुत मेहनत की है। टीवी डेली सोप से लेकर रियलिटी शो, म्यूजिक वीडियो, ओटीटी और यहां तक कि फिल्मों का हिस्सा बनने तक, वास्तव में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसे मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अभी तक टैप नहीं किया है। मधुरिमा को हमेशा एक कलाकार के रूप में उनकी विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है और इसलिए उनके पास शोबिज की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने के लिए सब कुछ है। मधुरिमा, जो पहले बेबी, नाम शबाना और अन्य जैसी सफल परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं, से हाल ही में 3 निर्देशकों के बारे में पूछा गया था जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं। इम्तियाज अली- वह व्यक्ति अपने स्वभाव और ऑन-स्क्रीन प्रतिभा के लिए जाना जाता है और जिस तरह से वह मनोरंजन और जीवन के एक टुकड़े के साथ एक सकारात्मक वाइब का मिश्रण करता है, वह वास्तव में दुर्लभ है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह हमेशा अभिनेताओं की सूची में उन सपनों के निर्देशकों में से एक के रूप में होते हैं जिनके साथ काम करना चाहिए। करण जौहर- उनकी फिल्मों में हमेशा जीवन से बड़ा माहौल रहा है, जिसमें सौम्य और फैशन का मिश्रण होता है और उन्हें देश के सबसे बड़े निर्देशकों और निर्माताओं में से एक माना जाता है और उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने अतीत में अपनी फिल्मों के साथ जादू किया है और उनकी नवीनतम सफलता रॉकी और रानी।।। इसे पार्क से बाहर निकालने में भी कामयाब रही। वह एक नायिका की संवेदनशीलता और भावनाओं को समझते हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि किसी भी अभिनेत्री के लिए उनके द्वारा निर्देशित फिल्म का हिस्सा बनना पूरी तरह से एक अलग खुशी है। संजय लीला भंसाली- अंतिम लेकिन निश्चित रूप से कम से कम, हम खुद जादूगर के बारे में बात कैसे नहीं कर सकते? वास्तव में इस देश में कोई अन्य निर्देशक नहीं है जो महिलाओं को पर्दे पर संजय लीला भंसाली की तरह अधिक गरिमा, उत्साह, तेज-तर्रारता और आकर्षण के साथ प्रस्तुत करता हो। सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा और सौंदर्य के साथ एक मजबूत कला निर्देशन हमेशा एक निर्देशक के रूप में उनकी ताकत रहा है और इसलिए, कोई भी अभिनेत्री अपने जीवन के लिए उन पर भरोसा कर सकती है अगर उन्हें उनके द्वारा निर्देशित होने का अवसर मिलता है। कोई आश्चर्य नहीं, वह उसकी इच्छा सूची में बहुत अधिक है।

महारानी सीजन 4 की शूटिंग शुरू

हुमा कुरैशी महारानी सीजन 4 के साथ वापस आ गई हैं। एक्ट्रेस ने सीरीज के सेट से एक बिहाइंड द सीन तस्वीर साझा किया है, जो यह दर्शाता है कि उन्होंने सीरीज के चौथे सीजन के लिए कमर कस ली है। इस तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। हुमा कुरैशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपमकमिंग वेब सीरीज महारानी सीजन 4 के बारे में अपडेट साझा किया है। उन्होंने सीरीज के सेट से अपनी एक तस्वीर पोस्ट किया है। साथ ही, सीरीज को प्यार देने के लिए फैंस और दर्शकों का आभार जताया है।

अपनी तस्वीर शेयर करते हुए हुमा कुरैशी ने कैप्शन में लिखा है, सीजन 4 का समय आ गया है। टीम महारानी वापस आ गई है। यह तस्वीर मेरी प्रोड्यूसर साहिबा डिंपल खरबंदा द्वारा क्लिक किया गया है। प्यारे दर्शकों को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद और आभार प्यार। तस्वीर में हुमा कुरैश ब्लैक टी-शर्ट, जिस पर महारानी इज बैक लिखा है, और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं।

कांगड़ा टॉकीज स्टूडियो ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर महारानी सीजन 4 के सेट से तस्वीरें साझा किया हैं और सेट पर हुमा कुरैशी का स्वागत किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रानी को वापस वहीं लाना जहां उसका राज है। महारानी के सेट पर हुमा का स्वागत। पहली तस्वीर में हुमा कुरैशी अपने वैनिटी वैन के पास हाथों से सीजन 4 का साइन देते हुए कैमरे के लिए पोज दिया है। दूसरी तस्वीर में हुमा महारानी सीजन 4 की टीम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। महारानी का पहला सीजन 2021 में आया। इस वेब सीरीज में हुमा कुरैशी ने रानी भारती की भूमिका निभाई है। रानी भारती एक गृहिणी और बिहार के मुख्यमंत्री भीमा (सोहम शाह) की पत्नी है। रानी को बस अपने घर और अपने पति की परवाह रहती है। वह अपने पति के बिहार के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अपना बैग पैक करके वापस गांव जाना चाहती है। हालांकि, उसकी जिंदगी तब बदल जाती है जब उसका पति उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित करता है, जिससे हर कोई हैरान रह जाता है। अगले सीजन में साजिशों, भ्रष्टाचार और खुद को राजनेता के रूप में साबित करने और सफल होने की उनकी यात्रा को दिखाया गया। महारानी का दूसरा सीजन 2022 में और तीसरा सीजन 2024 में प्रीमियर हुआ था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बिना किसी थेरेपी के घर पर पीठ दर्द हो सकता है ठीक, आजमाएं ये तरीके

पीठ दर्द कीसमस्या हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा डालती है। यह समस्या पुरुषों और महिलाओं दोनों में देखी जाती है, खासकर उन लोगों में जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं या भारी सामान उठाते हैं। हालांकि, कुछ सरल उपायों से आप घर पर ही इस दर्द को कम कर सकते हैं। आइए ऐसे ही पांच आसान तरीके जानते हैं, जिनसे आप अपनी पीठ के दर्द को प्राकृतिक रूप से ठीक कर सकते हैं।

नियमित स्ट्रेचिंग करें

स्ट्रेचिंग आपके शरीर की लचक बढ़ाने और मांसपेशियों को आराम देने का एक बेहतरीन तरीका है। रोजाना सुबह और शाम कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करने से आपकी पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव कम होता है और रक्त संचार बेहतर होता है। इससे न केवल दर्द में राहत मिलती है बल्कि भविष्य में होने वाले दर्द की संभावना भी घटती है। स्ट्रेचिंग करते समय ध्यान रखें कि कोई भी मुद्रा जबरदस्ती न करें।

गर्म पानी से सिकाई करें

गर्म पानी से सिकाई करना एक पुराना लेकिन प्रभावी तरीका है, जिससे पीठ के दर्द में राहत मिल सकती है।

गर्म पानी की थैली या तौलिया लेकर उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और कुछ मिनट तक रखें। इससे मांसपेशियों का तनाव कम होता है और रक्त प्रवाह सुधरता है, जिससे आपको आराम महसूस होगा। यह उपाय खासकर तब फायदेमंद होता है जब आपका दर्द अचानक बढ़ जाए या बहुत ज्यादा हो जाए।

सही मुद्रा अपनाएं

सही मुद्रा अपनाना आपके शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है, खासकर जब आप लंबे समय तक बैठते हैं या खड़े रहते हैं। गलत मुद्रा आपकी रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है, जिससे पीठ का दर्द बढ़ सकता है। हमेशा सीधे बैठें और अपने कंधों को पीछे रखें ताकि आपकी रीढ़ सीधी रहे। अगर आप कंप्यूटर पर काम करते हैं तो स्क्रीन आंखों के स्तर पर होनी चाहिए ताकि गर्दन झुकानी न पड़े।

हल्की एक्सरसाइज करें

हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग या योग आपके शरीर को सक्रिय रखने का अच्छा तरीका होती हैं, जो पीठ के दर्द को दूर करने में मदद करती हैं। ये एक्सरसाइज आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं और लचीला बनाती हैं, जिससे आपको लंबे समय तक आराम मिलता रहता है। शुरुआत में हल्की एक्सरसाइज करें और धीरे-धीरे उसकी अवधि बढ़ाएं ताकि आपका शरीर इसे आसानी से अपना सके बिना किसी अतिरिक्त दबाव के ।

संतुलित आहार लें

संतुलित आहार आपके स्वास्थ्य के लिए अहम होता है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दही हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, जबकि ओमेगा-3 फैटी एसिड सूजन कम करने में मदद करता है। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है ताकि शरीर अच्छी तरह से काम कर सके। सही आहार से आपकी सेहत बेहतर होती है और पीठ दर्द में भी राहत मिलती है।

शब्द सामर्थ्य -50

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

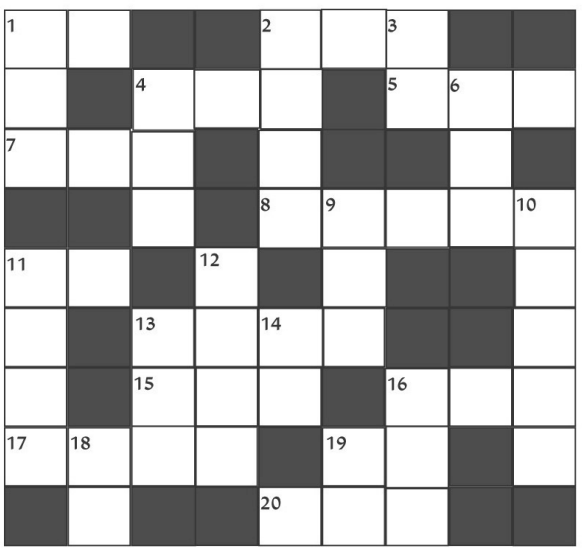

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

आर माधवन, नयनतारा और सिद्धार्थ की क्रिकेट पर आधारित फिल्म टेस्ट का टीजर रिलीज

माधवन, नयनतारा और सिद्धार्थ की मुख्य भूमिकाओं वाली आगामी तमिल फिल्म टेस्ट का टीज़र निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर जारी कर दिया है। नेटफ्लिक्स की आगामी कंटेंट स्लेट का हिस्सा बनने वाली यह फिल्म क्रिकेट के लेंस के माध्यम से जीवन, प्रेम, सपनों और व्यक्तिगत लड़ाइयों के विषयों की पड़ताल करती है। टीज़र की शुरुआत सिद्धार्थ को एक क्रिकेटर के रूप में दिखाए जाने से होती है, क्योंकि उनका वॉयसओवर जीवन के नियमों की व्याख्या करता है, और पात्रों का परिचय देता है क्योंकि वे भावनात्मक उथल-पुथल से गुजरते हैं। टेस्ट के पीछे की टीम ने साझा किया कि फिल्म एक ऐसी कहानी है जो दर्शाती है कि जीवन का नाटक और हम जिन लड़ाइयों का सामना करते हैं, वे खेल की तीव्रता को कैसे दर्शाती हैं। फिल्म में माधवन, नयनतारा, सिद्धार्थ, मीरा जैस्मीन और अन्य कलाकारों की टोली है, जो प्रत्येक किरदार को गहराई और भावना के साथ पेश करते हैं। टेस्ट एक शक्तिशाली कहानी देने का वादा करता है जो दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होगी, जो प्रेम, सपनों, आकांक्षाओं, विकल्पों और क्रिकेट के विषयों की खोज करेगी। टेस्ट के निर्माता नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर इस दमदार नई फिल्म को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए रोमांचित हैं। फिल्म को एस शशिकांत ने लिखा और निर्देशित किया है, जो उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है और चक्रवर्ती रामचंद्र के साथ मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन टीजर ने प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है, जो नेटफ्लिक्स पर फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टेस्ट एक क्रिकेट फिल्म है जो एक गहन ड्रामा के रूप में भी है, जो अपने किरदारों की व्यक्तिगत लड़ाइयों और भावनात्मक उथल-पुथल को दर्शाती है। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और दमदार कहानी के साथ, फिल्म एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जो दर्शकों को पसंद आएगा।

राणा दग्गुबाती-प्रियदर्शी की फिल्म को मिला टाइटल, आनंदी-सुमा कनकला भी आएंगे नजर

फिल्म लीडर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने बाहूबली में भल्लालदेव के किरदार से दर्शकों के बीच अमिट छाप छोड़ी है। राणा जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टाइटल नाम सामने आ चुका है। अप्रैल 2024 में, श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी (एसवीसीएलएलपी) ने प्रियदर्शी अभिनीत एक रोमांचक नई परियोजना की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन उसका टाइटल तय नहीं हुआ था। यह फिल्म अब चर्चा में है क्योंकि निर्माताओं ने इसके शीर्षक का खुलासा किया है। फिल्म का टाइटल है प्रेमांटे। टैगलाइन थ्रिल-यू प्राप्तिरस्तु के साथ, फिल्म में आनंदी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि लोकप्रिय तेलुगु एंकर सुमा कनकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रेमांटे का परिचय। थ्रिलर फिल्म है। एक अनोखी प्रेम कहानी की विशेषता-प्रियदर्शीपीएन और आनंदी अभिनेत्री के साथ इट्ससुमाकनकला द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण भूमिका में। लियोनट्रुजेम्स द्वारा रोमांचक संगीत यह परियोजना नवनीत श्रीराम के निर्देशन की पहली फिल्म और जाह्नवी नारंग की पहली प्रोडक्शन वेंचर है, जिन्हें हाल ही में पावर वुमेन 2024 पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। शीर्षक के अनावरण के बाद एक भव्य पूजा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकार, क्रू और विशेष अतिथि शामिल हुए। फिल्म के मुख्य अभिनेता राणा दग्गुबाती ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताई था, जबकि संदीप रेड्डी वांगा ने कैमरा चालू करके परियोजना को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। इस फिल्म में विश्वनाथ रेड्डी द्वारा सिनेमैटोग्राफी, लियोन जेम्स द्वारा संगीत और अनवर अली ने संपादन किया गया है। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं रुक रही छावा की आंधी

वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई विक्की कौशल की छावा पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं। छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता की गाथा लोगों के दिलों में छा गई है साथ ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। दूसरे संडे से पहले ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था और अब फिल्म ये वीकेंड खत्म होने तक 650 करोड़ का आंकड़े से कुछ कदम ही दूर है। दिलचस्प बात ये है कि छावा, उरी द सर्जिकल स्ट्राइक को पछाड़कर विक्की कौशल की सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है। उरी का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 342.06 करोड़ रहा था। इस हिसाब से छावा विक्की के करियर की बिगेस्ट हिट बन गई है। छावा के साथ बॉक्स ऑफिस पर हाल ही में रिलीज हुई अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की मेरे हसबैंड की बीवी चल रही है। ये फिल्म 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। लेकिन छावा की कमाई पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इसके अलावा थिएटर में साउथ फिल्म थंडेल, कैप्टन अमेरिका और सनम तेरी कसम (री रिलीज) भी चल रही है। लेकिन छावा की कमाई की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। छावा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और साहस की कहानी है जिसमें विक्की कौशल ने लीड रोल निभाया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना ने छत्रपति महाराज की पत्नी येसूबाई भोंसले की भूमिका निभाई है।

शमा सिकंदर ने हॉटनेस से सोशल मीडिया पर बरपाया कहर

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का फर लुक में स्वेटर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

शमा सिकंदर की इन फोटोज पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मट हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- हॉट एंड सेक्सी।

बता दें कि शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है। (आरएनएस)

रेजिना कैसांद्रा पंजाबी लडक़ी बनाम दक्षिण लडक़ी की भूमिका निभाएंगी

पंजाबी लडक़ी बनाम साउथ की लडक़ी की भूमिका निभाने पर रेजिना कैसंड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए पंजाबी लडक़ी और साउथ की लडक़ी की भूमिका निभाने के बारे में आश्चर्यजनक बातें बताईं। अपने सफऱ के बारे में बात करते हुए रेजिना ने कहा कि मैं 9 साल की उम्र से काम कर रही हूँ। मैंने पिछले 25 सालों में विज्ञापन, लघु फ़िल्में और फ़िल्में की हैं। इसलिए मैं इस इंडस्ट्री में एक लडक़ी होने के नाते क्या होता है, इसकी एक निश्चित समझ के साथ आई थी और इस इंडस्ट्री में एक साउथ इंडियन होना आसान नहीं है।

रेजिना ने आगे कहा कि जब मैं हिंदी में किसी भी चीज के लिए ऑडिशन देती हूं तो वे मेरी भाषा कौशल को देखते हैं। क्या यह लडक़ी हिंदी बोल सकती है? जब वह बोलती है तो उसकी आवाज़ कैसी लगती है? क्या वह अपनी हिंदी पर काम कर रही है? यह बहुत ज़रूरी है। अगर मैं दक्षिण भारतीय की भूमिका निभा रही हूं तो वे उस उच्चारण को थोड़ा रहने देते हैं। लेकिन मैंने हिंदी बोलते समय अपने दक्षिण भारतीय उच्चारण को कम करने की कोशिश की। लेकिन जब बात दक्षिण की आती है तो वहां बहुत सी उत्तर भारतीय लड़कियां हैं जो दक्षिण में हीरोइन बन गई हैं और उन्होंने तमिल या तेलुगु से शुरुआत की और आगे चलकर बड़ी नाम बन गईं। हमें इस बात की परवाह नहीं थी कि लड़कियां तमिल बोल सकती हैं या नहीं।

रेजिना ने ऑफर मिस करने के बारे में बताया कि मैंने बहुत सारे रोल मिस कर दिए हैं क्योंकि मेरी हिंदी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी लोगों को लग रही थी। जैसे मैं पंजाबी लडक़ी का किरदार नहीं निभा सकती। और यह ठीक है। लेकिन एक पंजाबी लडक़ी एक साउथ इंडियन लडक़ी का किरदार निभा सकती है। और ऐसा मेरे साथ हुआ है।

कल्पना कीजिए कि दक्षिण में कोई और व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है और उत्तर में भी वही व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है। मैं कहां जाऊं? (आरएनएस)

कहां गायब हो रहे हैं आखिर ये मासूम....!

हिमानी रावत

भारत में हर दिन हजारों की संख्या में बच्चे लापता हो रहे हैं, वह भी एक ऐसे दौर में जब हर कहीं पलक झपकते सूचना पहुंच जाती हो, तो हर साल देशभर से लगभग 80,000 से ज्यादा बच्चों के गायब होने का क्या मतलब है? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में 83,350 बच्चे गायब हुए, जिनमें 20,380 लडक़े व 62,946 लड़कियां और 24 ट्रांसजेंडर थे। इनमें ज्यादातर तलाश भी लिए गये लेकिन 2781 बच्चे हमेशा हमेशा के लिए ओझल हो गये। जबकि इसके पहले एनसीआरबी ने जो डाटा 2023 में पेश किया था, उसमें लापता हुए बच्चों की संख्या 76,069 थी। मतलब साफ है कि अगले एक साल में लापता हुए बच्चों की संख्या में तकरीबन 6000 की बढ़ोतरी हो गई। जबकि 2022में गायब होने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 33,650 थी। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बच्चों के गायब होने की संख्या में भारी बढ़ोतरी हो रही है। सवाल है एक तरफ जहां बच्चों की सुरक्षा के लिए हर साल नई से नई बातें कही जाती हैं, कसमें खायी जाती हैं और आधुनिक से आधुनिक उपकरण लगाकार सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। फिर भी मासूमों के गायब होने के सिलसिले में जरा भी कमी आने की बजाय बढ़ोतरी क्यों रही है? अगर इस मामले में हम एनसीआरबी के आंकड़ों की जगह उन गैरसरकारी संस्थाओं पर यकीन करें, जो बच्चों के लापता होने की समस्या में काम करती हैं, तो बच्चों के गायब होने की वास्तविक संख्या इससे ज्यादा है। इनके मुताबिक तो हर साल 80-85 हजार नहीं बल्कि कई लाख बच्चे गायब हो रहे हैं। यही वजह है कि आज देश में हर एक मिनट में कम से कम दो बच्चे गायब हो रहे हैं। घर से बिछुडक़र आखिर ये मासूम कहां चले जाते हैं? क्योंकि जो बच्चे अगले एक महीने तक नहीं मिलते, घरों से गायब

होने वाले ऐसे बच्चों के घर वापस न आने की आशंका करीब सौ प्रतिशत हो जाती है। गायब होने के बाद जो बच्चे मिल जाते हैं, उनके बारे में तो हम थोड़ा-बहुत जानते भी होते हैं कि इन्हें कौन और कैसे बहला-फुसलाकर ले गया था, लेकिन जो बच्चे कभी लौटकर आये ही नहीं, उनके बारे में मां-बाप कुछ भी नहीं जानते। संचार के साधनों के बावजूद एक-डेढ़ प्रतिशत बच्चे गायब होने के बाद कभी वापस नहीं आते। हालांकि अपराधियों की धड़पकड़ में हाल के सालों में इजाफा हुआ है। पुलिस के पास आज पहले के मुकाबले जांच पड़ताल के बेहतर संसाधन हैं, इसके बाद भी गायब बच्चों की एक तय संख्या लौटकर घर नहीं आती, तो आखिर उनका होता क्या है? उनका कोई सुराग क्यों नहीं मिलता ?

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के डाटा विश्लेषण के मुताबिक हर दिन हजारों की संख्या में गायब होने वाले बच्चों में से बहुत मामूली संख्या में ही बच्चे लौटकर आ पाते हैं। सैकड़ों बच्चों की तो रिपोर्ट ही नहीं लिखी जाती, उनके मां-बाप द्वारा कोशिश किये जाने पर पुलिस उन्हें डांटकर थाने से भगा देती है। जिन बच्चों को निठारी कांड में क्रूरता की बलि चढ़ा दिया गया था, उनके मां-बाप ने पुलिस से उनके लापता होने की शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस ने कोई ध्यान ही नहीं दिया वास्तव में जो बच्चे कभी भी वापस घर नहीं आ पाते, वो अपराधियों के चंगुल में फंस जाते हैं। इन बच्चों की बड़ी संख्या में तस्करी की जाती है, जिन्हें अरब और अन्य देशों में बेच दिया जाता है। गायब होने वाली लड़कियों के साथ अकसर रेप जैसी घिनौनी वारदातें होती हैं और ज्यादातर को बेच दिया जाता है। इंटरनेशनल क्राइम इंस्टिट्यूट के अनुसार ऐसे सैकड़ों बच्चों के अंगों की तस्करी होती है। सफेदपोश संगठन इन बच्चों के अंगों को अकसर चुपचाप निकाल लेते हैं। बच्चे आतंकवाद का भी सबसे आसान हथियार बन जाते हैं। कुछ साल पहले आयी यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के सत्ता विरोधी सशस्त्र संगठनों ने बच्चों को अपने संघर्षों में हिस्सेदार बना दिया है। शायद इसीलिए बच्चों के खोने की आपराधिक घटनाओं में तमाम सरकारी, गैर सरकारी प्रयासों के बावजूद कमी नहीं आ रही बल्कि खोने वालों बच्चों की तादाद लगातार बढ़ रही है। जाहिर है यह बेहद चिंताजनक है, इस पर बहुत गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

हनुमान के बाद फिर बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने आ रहे तेजा सज्जा

साल 2024 में तेजा सज्जा ने फिल्म हनुमान से खूब चर्चा बटोरी। कम बजट की इस फिल्म ने साउथ से लेकर हिंदी पट्टी तक जमकर कमाई की। तेजा अब इस साल फिल्म मिराई के जरिए दर्शकों तक पहुंचने को तैयार हैं। पैन इंडिया स्टार बन चुके तेजा सज्जा की इस फिल्म की रिलीज डेट का आज शनिवार को एलान हो चुका है।

फिल्म मिराई इस साल अगस्त में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 01 अगस्त 2025 को रिलीज होगी। आज फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए तेजा सज्जा ने यह जानकारी दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। फिल्म मिराई का निर्देशन कार्तिक घट्टमनेनी कर रहे हैं।

फिल्म हनु-मान ने तेजा सज्जा को पैन इंडिया स्टार बना दिया। उनकी फिल्म मिराई का भी दर्शकों को इंतजार है। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म बताई जा रही है। कार्तिक घट्टमनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म को टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में तेजा सज्जा के अलावा मनोज मांचू और ऋतिका नायक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

तेजा सज्जा की इस फिल्म को आठ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इसे तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी और चीनी भाषा में दर्शकों तक पहुंचाए जाने की तैयारी है। फिल्म हनुमान से तेजा का जादू दर्शकों पर खूब चला, ऐसे में उनकी इस फिल्म से भी एक बड़े दर्शक वर्ग की उम्मीदें बंधी हैं। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 50

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.49का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

गैर बैंकिंग संस्थाओं पर नकेल कसना जरूरी

एक समय हमारे देश के ग्रामीण जन साहूकारों के चंगुल में फंसे हुए थे। वर्षा आधारित कृषि व्यवस्था होने की वजह से फसल से आय होना अनिश्चित था, इस वजह से हमारे किसान साहूकारों से कर्ज लेकर एक तरह से खुद को गिरवी रख देते थे। पिछले दो-तीन दशकों में स्थिति बदली। सहकारिता और राष्ट्रीयकृत बैंकों की वजह से किसानों को कर्ज लेने में आसानी हुई, लेकिन उदारीकरण के दौर में जिस तरह से निजी बैंकिंग क्षेत्र का हस्तक्षेप बढ़ा वैसे-वैसे फिर से किसान परेशानी में आ गए हैं। हाल ही में एक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में ऋण का बढ़ता स्तर चिंता का विषय है। कुछ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां ग्रामीणों की आर्थिक विवशता का दुरुपयोग कर उनका शोषण कर रही हैं। ऐसे ऋणों की मार्केटिंग बेहद आक्रामक तरीके से ऐसे की जाती है कि ऋण लेने वाले इनके दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों से वाकिफ नहीं हो पाते और कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इन पर नकेल कसना जरूरी है। दरअसल, इस संकट के मूल कारणों में से एक, देश के ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का अभाव है। आर्थिक वृद्धि का लाभ भी पर्याप्त रूप से रोजगार सृजन में नहीं दिखा है, खासतौर पर गैर-कृषि क्षेत्रों में ऋण की आसान पहुंच और चौबीस घंटे डिलिवरी सेवाओं के प्रसार से ग्रामीण क्षेत्रों में खपत की स्थिति बढ़ी है। लोगों को गैर-जरूरी वस्तुओं और सेवाओं के वास्ते ऋण लेने के लिए लुभाया जा रहा है जिससे वे और अधिक कर्ज के जंजाल में फंस रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार, रोजमर्रा की अपनी जरूरतों के लिए भी ऋण की राशि पर निर्भर हो रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय के स्रोत अनिश्चित हैं और यह मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। यह अप्रत्याशित मॉनसून, जिंसों की उतार-चढ़ाव वाली कीमतों और बढ़ती इनपुट लागत से भी प्रभावित होती है। गैर बैंकिंग संस्थाएं इस अंतर का फायदा उठा रहे हैं और रोजमर्रा की खपत के लिए ऋण अधिक ब्याज दरों पर देते हैं। इसमें ऋणों का रॉल ओवर चक्र एक अहम हिस्सा है। इसका सबसे बड़ा संस्थागत उदाहरण फसल ऋण है। सरकार हर वर्ष, किसानों को फसल ऋण का वितरण करने के लिए बैंकों के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव होता है जिसके कारण अक्सर ऋणों का वितरण तेजी से यह सुनिश्चित किए बिना ही कर दिया जाता है कि इनका उपयोग उत्पादक तरीके से किया जाएगा या नहीं। इस ऋण का इस्तेमाल उत्पादक कृषि निवेश के लिए किए जाने के बजाय, तत्काल जरूरतों को पूरा करने या पुराने ऋण का भुगतान करने के लिए किया जाता है जिससे ग्रामीण ऋण संकट गहरा जाता है। कुछ बैंक जिनकी सार्वजनिक जमाओं तक कम लागत के साथ पहुंच है वे भी गैर बैंकिंग नेटवर्क की तुलना में कभी-कभी सूक्ष्म ऋण पर, उच्च ब्याज दर वसूल रहे हैं। अगर गैर बैंकिंग क्षेत्र की जांच-पड़ताल उनके ब्याज दरों के लिए की जा रही है तब क्या इस लिहाज से बैंकों की जांच नहीं की जानी चाहिए? ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की लागत कर्ज लेने वाले की भुगतान क्षमता के मुकाबले गैर-आनुपातिक तरीके से बढ़ रही है जिसके चलते ऋण का चक्र और जटिल हो रहा है।

ग्लोबल डेवलपमेंट इन्क्यूबेटर की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आमदनी का प्राथमिक स्रोत खेती है लेकिन इनमें से अधिकांश लोग बेहतर मौके पाने के लिए खेती छोडऩे के लिए तैयार हैं। देश के अनेक आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि दरअसल कृषि को समृद्धि का इंजन होना चाहिए यानी यदि हमारे किसान खेती छोडक़र दूसरा कोई व्यवसाय करते हैं तो दीर्घकालिक हितों की दृष्टि से यह घाटे का सौदा होगा। इसलिए जरूरी है कि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाए तथा किसानों को गैर बैंकिंग संस्थाओं के आर्थिक शोषण से मुक्ति दिलाई जाए। दरअसल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। (आरएनएस)

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 3 कुंतल पनीर व 60 किलो मावा किया मौके पर नष्ट

संवाददाता

देहरादून। खाद्य सुरक्षा विभाग ने तीन कुंतल पनीर व 60 किलो मावा मौके पर नष्ट किया।

आज यहां होली के मद्देनजर खाद्य सुंरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावटखोरों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सघन अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त व स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देशानुसार, प्रदेशभर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें मिलावटी खाद्य पदार्थों पर कड़ी नजर रख रही हैं और लगातार छापेमारी कर रही हैं। इसी क्रम में धुलकोट, विकासनगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 कुंतल पनीर एवं 60 किलोग्राम मावा जब्त किया गया। यह माल हरिद्वार (मंगलौर) से लाया गया था और इसे प्रेमनगर, धुलकोट, सेलाकुई एवं सहसपुर में आपूर्ति किया जाना था। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि आयुक्त एवं स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देशों पर पूरे प्रदेश में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बॉर्डर क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि बाहरी राज्यों से मिलावटी और घटिया खाद्य सामग्री की आपूर्ति को रोका जा सके। छापेमारी के दौरान पकड़े गए संदिग्ध खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। इसके साथ ही शेष सामग्री को शिशमबाड़ा डंपिंग जोन में नष्ट कराया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसियों का पुलिस मुख्यालय पर हल्ला बोल

विशेष संवाददाता

रुद्रपुर। पुलिस के दमनात्मक तथा दुर्व्यवहार पूर्ण रवैये के खिलाफ आज कांग्रेस नेताओं ने पुलिस मुख्यालय पर हल्ला बोला। धरने-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों की पुलिस के साथ तीखी नोक-झोंक हुई जिसके बाद पुलिस ने कुछ कांग्रेसी नेताओं को हिरासत में ले लिया जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि किच्छा के कोतवाली इंचार्ज धीरेंद्र कुमार द्वारा अनावश्यक रूप से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस पर सरकार के दबाव में कार्य करने का आरोप लगाया है।

❑किच्छा कोतवाली इंचार्ज को बदलने की मांग
❑कांग्रेस नेताओं की पुलिस से तीखी नोंक-झोंक
❑नेताओं को हिरासत में लिया फिर छोड़ा

नेता विपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि सरकार और पुलिस की अपराधियों के साथ सांठ-गांठ है तथा पुलिस द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किया जा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने सरवरयार खान के साथ अभद्रता करने के मामले की जांच की मांग की तथा कोतवाली इंचार्ज का हटाने की मांग की।

बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पूर्व मंत्री तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय के घेराव के लिए पहुंचे थे। जहां उन्होंने मुख्यालय में घुसने की कोशिश की तथा रोके जाने पर पुलिस के साथ उनकी तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लेकर सिडकुल चौकी ले गई जहां से उन्हें छोड़ दिया गया। तिलक राज बेहड़ का कहना है कि कोतवाल को हटाने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वही यशपाल आर्य का कहना है कि नए भू कानून से उधमसिंहनगर को बाहर रखे जाने से यहां जमीनों की लूटपाट हो रही है तथा राज्य में जंगल राज हो गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने दिए महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के परफॉरमेंस ऑडिट के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओ की शुरूआत से अभी तक कितनी महिलाओं को लाभ पंहुचा हैं, इस सम्बन्ध में सटीक जानकारी तलब करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी सभी योजनाओं के प्रफ्रोमेंस एडिट करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने योजनाओं के लक्षित वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर योजनाओं के गुणवत्ता में सुधार करते हुए रिमॉडयूलेशन के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सचिव स्तर पर इन योजनाओं के रिमॉडयूलेशन के ड्राफ्ट पर कार्य करने की जिम्मेदारी तय की है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी सचिवालय में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के तहत उत्तराखण्ड महिला एवं बाल विकास समिति की महासभा की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिव महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास को मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजना के साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित महिलाओं की आजीविका से जुड़ी सभी योजनाओं को जोड़ने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के तहत मेधावी छात्राओं हेतु देशभर में शैक्षिक भ्रमण करवाने की योजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में भी महिलाओं एवं बालिकाओं में मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता को प्रोत्साहित करने को लेकर मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ियों के माध्यम से सैनेटरी नैपकिन के वितरण की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने महिलाओं हेतु एनिमिया उन्मूलन अभियान को जन अभियान बनाते हुए गम्भीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव चंद्रेश यादव, विनय शंकर पाण्डेय, नीरज खैरवाल सहित शिक्षा, वित्त, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की 8वीं सामान्य सभा बैठक सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। औद्यानिक परिषद की 8वीं सामान्य सभा की बैठक राजकीय उद्यान सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई।

आज यहां उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की 8वीं सामान्य सभा बैठक राजकीय उद्यान सर्किट हाउस, देहरादून में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने की। बैठक की शुरुआत परिषद द्वारा विगत वर्षों की आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया और पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालन आख्या पर चर्चा हुई।

बैठक के एजेण्डे पर बिन्दुवार चर्चा की गयी। जिसमे उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की 8वीं सामान्य सभा बैठक में राज्य के कृषि और उद्यानिकी क्षेत्र को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से श्परिषद ने एक निजी कंपनी के सहयोग से तैयार ष्डिजिटल उद्यान एवं प्लांट एलोकेशन सिस्टम की ड्राफ्ट रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की। राजकीय उद्यान चौबटिया स्थित नवनिर्मित भवन को परिषद को हस्तांतरित किए जाने के बाद, वहां कृषकों द्वारा उत्पादित प्रसंस्कृत उत्पादों की बिक्री और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए एक रिटेल आउटलेट एवं रेस्टोरेंट की स्थापना का निर्णय लिया गया। इसके लिए परिषद ने 25 लाख की धनराशि को अनुमोदित/स्वीकृत किया। बैठक में सेब की अति सघन बागवानी योजना, औद्यानिक प्रसंस्कृत उत्पादों के विपणन और राज्य के उत्पादों के प्रचार-प्रसार से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य में सेब की अति सघन बागवानी योजना के तहत नए सेब बागान स्थापित करने वाले कृषकों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्योत्तर स्वीकृति/अनुमोदन प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण किसानों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराकर सेब उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेगा।

हरिद्वार कॉरिडोर योजना में लघु व्यापारियों को अलग से स्थान दिया जाये: चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। स्मार्ट कॉरिडोर योजना में लघु व्यापारियों को अलग से स्थान दिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

आज यहां स्मार्ट कॉरिडोर योजना में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को अलग से स्थान दिए जाने की मांग को लेकर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में हर की पौड़ी चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन कर सामूहिक रूप से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मिलित किए जाने की मांग को दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र में हजारों की तादाद में रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी हैं जो फुटपाथ पर कारोबार कर अपने परिवार का पालन पोषण करते चले आ रहे हैं हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना में रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को अलग से स्थान देकर वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व्यवस्थापित किया जाना न्याय संगत होगा।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड शासन नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार हर की पौड़ी, रोड़ी बेल वाला ,भीम गोडा,पंतदीप पार्किंग, दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा इत्यादि क्षेत्रों के विकास की योजनाए बनाई जा रही है लेकिन इन सभी योजना मे रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की अपेक्षा किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने कहा शीघ्र ही एक जन आंदोलन की शक्ल में हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को सम्मिलित किए जाने की मांग को प्रमुखता से चरणबद्ध आंदोलन के माध्यम से दोहराते रहेंगे। हरिद्वार स्मार्ट कॉरिडोर योजना में सम्मिलित किए जाने की मांग दोहराते लघु व्यापारियों में कमल सिंह,विकास सक्सेना, प्रद्युमन सिंह, दिलीप गुप्ता, शुभम सैनी ,कुंदन कश्यप, सुनील कुमार ,मोनू कश्यप ,सुशील, मन्नू प्रमोद, विनय सैनी, सचिन बिष्ट, चंदन रावत, सुबोध गुप्ता, माया, सुषमा, कमला, सीमा, पुष्पा दास, पार्वती देवी, इंदिरा देवी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

पुलिस और गौ-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़, दो गौ-तस्कर घायल, दो फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में देर रात दो गौ तस्कर गोली लगने से घायल हो गये। जिन्हे गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए दो गौ तस्कर फरार होने मे कामयाब रहे जिनकी तलाश जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि देर रात कोतवाली काशीपुर पुलिस और गौ तस्करों के बीच अचानक मुठभेड़ हुई, जिसमें गौ-तस्करों ने पुलिस पर फायर झौंक दिया। जवाबी फायरिंग में दो गौ-तस्कर घायल हो गये। जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। दोनो घायल तस्कर इब्राहिम और आरिफ ठाकुरद्वारा के निवासी है। जिन पर पूर्व में भी कई मुकदमें दर्ज है। बताया कि इस दौरान रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दो गौ-तस्कर फरार होने में कामयाब रहे जिनकी तलाश जारी है। फरार गौ तस्करों के नाम इकबाल उर्फ भूरा पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी नई बस्ती ठाकुरद्वारा और अफजाल पुत्र इकबाल निवासी पुष्प बिहार कॉलोनी काशीपुर बताया गया है। जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है।

घर में लगी आग, दादी-पोते की जलकर मौत

हमारे संवाददाता

चमोली। घर में देर रात अचानक आग लगने से दादी-पोते की जलकर मौत हो गयी है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। घर में आग लगने की वजह शाट सर्किट बताया जा रहा है। मामला थराली क्षेत्र के ग्वालदम पाटला तोक की है। जानकारी के अनुसार बीती देर रात साढ़े 3 बजे करीब थाना थराली पुलिस को सूचना मिली कि मध्य रात्रि 1 बजे के करीब ग्वालदम के पास करूंड़पानी गांव में एक घर में आग लग गई हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि इस घटना में 80 वर्षीय हरमा देवी और उनके 10 साल के पोते अंकित की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त घर में कुल पांच सदस्य थे। मृतका अपने पोते के साथ कमरे में सोई थी, जिसमें आग लगने की घटना हुई। जब आग फैलने के बाद परिवार के अन्य सदस्यों का दम घुटने लगा तो वह कमरे से बाहर की तरफ भागे, जिससे अन्य तीन सदस्यों की जान बच गई। लेकिन दादी और पोते की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शवों का पंचायतनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। मौके पर प्रशासन की टीम और विद्युत विभाग के अधिकारियों के द्वारा घटना की जांच की जा रही है। घर में आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताया जा रहा है।

80 लाख की हेरोइन सहित बरेली के दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशा तस्करी पर बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा बरेली के दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से करीब 80 लाख रूपये की हेरोइन बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ (एंटी नार्कोटिक्स) कुमाऊं यूनिट को बीते रोज सूचना मिली कि बरेली के कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की सप्लाई हेतू उत्तराखण्ड आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए सीओ एसटीएफ, आरबी चमोला के निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक एसटीएफ (एंटी नारकोटिक्स) कुमाऊं यूनिट, पावन स्वरुप के नेतृत्व में उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना किच्छा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए आजाद नगर शिव मंदिर के सामने दरऊ, किच्छा के पास से दो हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से 262 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम चमन बाबू पुत्र नेम चंद निवासी रायनवादा थाना बहेड़ी जिला बरेली व मोहम्मद शादाब अंसारी पुत्र मोहम्मद यूनिस अंसारी निवासी मुंडिया जागीर थाना देवरनियाँ जिला बरेली बताया। बताया कि वह यह हेरोइन शाहबुद्दीन से लेकर आये हैं जो रायनवादा बरेली का रहने वाला है। बहरहाल एसटीएफ ने उनके खिलाफ थाना किच्छा मे मुकदमा दर्ज करा दिया है।

डॉ. बैज नाथ को मिला 'लीगल एकेडमिशियन ऑफ द ईयर' का पुरस्कार

देहरादून (कासं)। पिछले दिनों मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में यूपीईएस विश्वविद्यालय के निदेशक विधिक - डॉ० बैज नाथ ने 'लीगल एकेडमिशियन ऑफ द ईयर' की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें यह पुरस्कार भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति बी० एन० श्रीकृष्ण द्वारा प्रदान किया गया।

न्यायमूर्ति बी० एन० श्रीकृष्ण को भारत में डेटा गोपनीयता कानून के संस्थापक के रूप में भी जाना जाता है।

'लीगल एकेडमिशियन ऑफ द ईयर' पुरस्कार विधिक उत्कृष्ठता के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो उच्च व्यावसायिक परीक्षण के कठोर परीक्षणों के बाद ही विजेता को सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

इस पुरस्कार के लिए नामित व्यक्ति को पहले प्रतिष्ठित जूरी द्वारा छांटे जाने के उपरांत शॉर्ट-लिस्ट किया जाता है, जिसे अंत में ग्रेंड जूरी, जिसमें कानूनी बिरादरी के शीर्ष मस्तिष्क और प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं, द्वारा तय किया जाता है। इन पुरस्कारों के लिए ग्रैंड जूरी में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित, न्यायमूर्ति बी०एन० श्रीकृष्ण - सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और न्यायमूर्ति प्रतिभा एम० सिंह - दिल्ली उच्च न्यायालय और जिया मोदी - प्रबंध पार्टनर ए०जेड०बी० एंड पार्टनर्स शामिल थे। जूरी के सदस्यों में न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी - सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट; न्यायमूर्ति ए.के. गोयल - सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट; न्यायमूर्ति एम. आर. शाह - सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट; न्यायमूर्ति तलवंत सिंह - सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय; इंदिरा जयसिंह - वरिष्ठ अधिवक्ता; डॉ. मेनका गुरुस्वामी - वरिष्ठ अधिवक्ता और डॉ. राघवेंद्र जी - सेवानिवृत्त नौकरशाह व आई०पी० कानून सलाहकार शामिल थे।

युवती के हाथ से लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। फोन पर बात करते जा रही युवती के हाथ से दुपहिया वाहन चालक युवकों ने मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैय्यद मौहल्ला निवासी पूर्णिमा शर्मा ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ईदगाह रोड पर फोन पर बात करते हुए किशन नगर की तरफ जा रही थी तभी पीछे से दुपहिया वाहन सवार दो युवक उसके पास आये और पीछे बैठे युवक ने उसके हाथ पर झपटा मारकर उसको मोबाइल लूट लिया। उसने शोर मचाया लेकिन तब तक वह फरार हो गये थे।

अस्पताल के बाहर से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने महंत इंद्रेश अस्पताल के बाहर से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार द्वारिका पुरम मोथरोवाला निवासी गोतम प्रकाश ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से महंत इंद्रेश अस्पताल गया था। उसने अपनी एक्टिवा अस्पताल के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिसकर्मी ने दिया ईमानदारी का परिचय

❑50,000 रुपये व 30,000 का फोन लौटाया

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जहां उत्तराखण्ड की मित्र पुलिस पर कई तरह के आरोप लगते रहे है। वहीं मित्र पुलिस में ऐसे भी पुलिसकर्मी है जो अपने फर्ज और ईमानदारी का परिचय देने में अग्रणीय है। ऐसा ही एक वाक्या जीआरपी थाने हरिद्वार में सामने आया है जिसमें पुलिस कर्मी ने यात्री का वह बैग लौटाया जिसमें 50 हजार की नगदी व 30 हजार का फोन रखा हुआ था।

जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन हरिद्वार पर चैकिंग के दौरान ड्यूटीरत का. संदीप राणा को एक लावारिस बैग मिला, जिसको थाने पर लाया गया व नाम/पता जानने के लिए बैग को खोलकर देखा तो उक्त बैग में 50 हजार रूपये व मोबाइल वन प्लस कीमत करीब 30 हजार रुपए, बीपी मशीन, दवाईयां, पासबुक व अन्य कीमती कागजात थे। प्राप्त कागजातो एवं जानकारी के आधार पर जीआरपी पुलिस द्वारा बैग स्वामी निवासी हनुमानगढ़, राजस्थान को सूचना दी गई। यात्री के थाने आने पर उक्त बैग को मय धनराशि जरूरी कागजात एवं दवाई बीपी मशीन के सपुर्द किया गया। यात्री द्वारा अपना बैग सकुशल पाकर थाना जीआरपी हरिद्वार पुलिस की ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा व कार्य प्रणाली की प्रशंसा की गई है।

शराब पिलाने पर होटल संचालक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। होटल में शराब पिलाने पर पुलिस ने होटल संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने श्यामपुर रेलवे फाटक के पास बिरयानी प्वाइंट होटल में छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते देखा तो वहां से शराब पीने वाले फरार हो गये। पुलिस ने होटल संचालक गुमानीवाला निवासी बाबू कश्यप को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।